Class XI Session 2025-26
Subject - Hindi Core
Sample Question Paper - 1

निर्धारित समय: 3 घंटे **अधिकतम अंक: 80**

सामान्य निर्देश:

निम्नलिखित निर्देशों को बहुत सावधानी से पढ़िए और उनका पालन कीजिए :-

- यह प्रश्न-पत्र तीन खण्डों में विभाजित है।
- खंड - क में अपठित बोध पर आधारित प्रश्न पूछे गए हैं। सभी प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।
- खंड - ख में पाठ्यपुस्तक अभिव्यक्ति और माध्यम से प्रश्न पूछे गए हैं। प्रश्नों में आंतरिक विकल्प दिए गए हैं।
- खंड - ग में पाठ्यपुस्तक आरोह तथा वितान से प्रश्न पूछे गए हैं। प्रश्नों में आंतरिक विकल्प दिए गए हैं।
- तीनों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।
- यथासंभव तीनों खंडों के प्रश्नों के उत्तर क्रमशः लिखिए।

खंड क (अपठित बोध)

1. **निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए- (10)** **[10]**

जाति-प्रथा को यदि श्रम-विभाजन मान लिया जाए, तो यह स्वाभाविक विभाजन नहीं है, क्योंकि यह मनुष्य की रुचि पर आधारित नहीं है। कुशल व्यक्ति या सक्षम श्रमिक समाज का निर्माण करने के लिए यह आवश्यक है। कि हर व्यक्ति अपनी क्षमता उस सीमा तक विकसित करें, जिससे वह अपने पेशे या कार्य का चुनाव स्वयं कर सके। इस सिद्धांत के विपरीत जाति-प्रथा का दूषित सिद्धांत यह है कि इससे मनुष्य के प्रशिक्षण अथवा उसकी निजी क्षमता का विचार किए बिना, दूसरे ही दृष्टिकोण; जैसे-माता-पिता के सामाजिक स्तर के अनुसार पहले से ही अर्थात गर्भधारण के समय से मनुष्य का पेशा निर्धारित कर दिया जाता है।

जाति-प्रथा पेशे का दोषपूर्ण पूर्व-निर्धारण ही नहीं करती, बल्कि मनुष्य को जीवनभर के लिए एक पेशे में बाँध भी देती है। भले ही पेशा अनुपयुक्त या अपर्याप्त होने के कारण वह भूखों मर जाए। आधुनिक युग में यह स्थिति प्रायः आती है, क्योंकि उद्योग-धंधे की प्रक्रिया व तकनीक में निरंतर विकास और कभी-कभी अकस्मात परिवर्तन हो जाता है, जिसके कारण मनुष्य को अपना पेशा बदलने की आवश्यकता पड़ सकती है और यदि प्रतिकूल परिस्थितियों में भी मनुष्य को अपना पेशा बदलने की स्वतंत्रता न हो, तो उसके लिए भूखों मरने के अलावा क्या चारा रह जाता है? हिंदू धर्म की जाति-प्रथा किसी भी व्यक्ति को ऐसा पेशा चुनने की अनुमति नहीं देती है, जो उसका पैतृक पेशा न हो, भले ही वह उसमें पारंगत है। इस प्रकार पेशा-परिवर्तन की अनुमति न देकर जाति प्रथा भारत में बेरोजगारी का एक प्रमुख व प्रत्यक्ष कारण बनी हुई है।

(i) जाति-प्रथा किस प्रकार का श्रम-विभाजन है? (1)

क) स्वाभाविक

ख) मनुष्य की रुचि पर आधारित

ग) सामाजिक स्तर पर आधारित

घ) प्रशिक्षण पर आधारित

(ii) जाति-प्रथा का मुख्य दोष क्या है? (1)

क) यह पेशे का दोषपूर्ण पूर्व-निर्धारण करती है

ख) यह मनुष्य को सक्षम बनाती है

ग) यह तकनीकी विकास को प्रोत्साहित करती है

घ) यह रोजगार के नए अवसर प्रदान करती है

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

(iii) निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए - (1)

कथन (I): जाति-प्रथा मनुष्य को उसकी रुचि के अनुसार पेशा चुनने की स्वतंत्रता देती है।

कथन (II): जाति-प्रथा में पेशे का निर्धारण माता-पिता के सामाजिक स्तर के आधार पर होता है।

कथन (III): जाति-प्रथा में पेशा परिवर्तन की अनुमति नहीं होती।

कथन (IV): जाति-प्रथा कुशल श्रमिक और सक्षम समाज का निर्माण करती है।

गद्यांश के अनुसार कौन-सा/से कथन सही हैं?

क) केवल कथन (I) और (III) सही हैं।

ख) केवल कथन (II) और (III) सही हैं।

ग) केवल कथन (I), (III) और (IV) सही हैं।

घ) केवल कथन (II) और (IV) सही हैं।

(iv) जाति-प्रथा मनुष्य के पेशे का निर्धारण किस आधार पर करती है? (1)

(v) आधुनिक युग में जाति-प्रथा क्यों अनुपयुक्त हो जाती है? (2)

(vi) जाति-प्रथा से मनुष्य के पेशे को लेकर क्या समस्याएँ उत्पन्न होती हैं? (2)

(vii) जाति-प्रथा के सिद्धांत के अनुसार मनुष्य का पेशा कब से निर्धारित हो जाता है? (2)

2. **निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए- (8)** **[8]**

अचल खड़े रहते जो ऊँचा शीश उठाए तूफानों में,
सहनशीलता, दृढ़ता हँसती जिनके यौवन के प्राणों में
वही पंथ बाधा को तोड़े बहते हैं जैसे हों निर्झर,
प्रगति नाम को सार्थक करता यौवन दुर्गमता पर चलकर।
आज देश की भावी आशा बनी तुम्हारी ही तरुणाई,
नए जन्म की श्वास तुम्हारे अंदर जगकर है लहराई।
आज विगत युग के पतझर पर तुमको नव मधुमास खिलाना,
नवयुग के पृष्ठों पर तुमको है नूतन इतिहास लिखाना।
उठो राष्ट्र के नवयौवन तुम दिशा-दिशा का सुन आमंत्रण,
जगो, देश के प्राण जगा दो नए प्रातः का नया जागरण।
आज, विश्व को यह दिखला दो हममें भी जागी तरुणाई,
नई किरण की नई चेतना में हमने भी ली अंगड़ाई।।

i. **निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर कथन के लिए उपयुक्त विकल्प का चयन करें: (1)**

"अचल खड़े रहते जो ऊँचा शीश उठाए तूफानों में,
सहनशीलता, दृढ़ता हँसती जिनके यौवन के प्राणों में।

I. कविता में दृढ़ता और सहनशीलता के बारे में बताया गया है।

II. कविता में यौवन की शांति और संतुलन की बात की गई है।

III. कविता में यौवन को सिर्फ एक संघर्ष के रूप में दर्शाया गया है।

क) कथन I और II सही हैं।

ख) कथन II और III सही हैं।

ग) केवल कथन III सही है।

घ) कथन I, II और III सही हैं।

ii. **'प्रगति नाम को सार्थक करता यौवन दुर्गमता पर चलकर' का क्या तात्पर्य है? (1)**

क) प्रगति केवल आसान रास्तों पर चलकर ही संभव है

ख) युवाओं का साहस और दृढ़ता प्रगति को वास्तविकता में बदलती है

ग) प्रगति केवल अनुभव से आती है

घ) प्रगति का अर्थ केवल भौतिक समृद्धि है

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

iii. **नीचे दिए गए कॉलम 1 को कॉलम 2 से मिलाकर सही विकल्प का चयन करें: (1)**

कॉलम 1	कॉलम 2
I. कविता में यौवन की प्रगति की भूमिका	1. संघर्ष और बाधाओं को पार करना
II. कविता में राष्ट्र के नवयौवन का आह्वान	2. देश के नए भविष्य का निर्माण करना
III. कविता में नूतन इतिहास बनाने का संदेश	3. नए युग का आरंभ करना

क) I - (1), II - (2), III - (3)

ख) I - (3), II - (2), III - (1)

ग) I - (2), II - (3), III - (1)

घ) I - (1), II - (3), III - (2)

iv. **'नए प्रातः का नया जागरण' का कविता में क्या अर्थ है? (1)**

v. **कविता में 'उठो राष्ट्र के नवयौवन' से कवि का क्या संदेश है? (2)**

vi. **'हममें भी जागी तरुणाई' पंक्ति का कवि किस भाव को प्रकट कर रहे हैं? (2)**

खंड- ख (अभिव्यक्ति और माध्यम पाठ्यपुस्तक के आधार पर)

3. **दिए गए तीन विषयों में से किसी एक विषय पर आधारित लगभग 120 शब्दों में रचनात्मक लेखन लिखिए।** **[6]**

   i. **आज का किसान जीवन** विषय पर अनुच्छेद लिखिए। **[6]**

   ii. **ऑनलाइन खरीददारी : समय की आवश्यकता** विषय पर रचनात्मक लेख लिखिए। **[6]**

   iii. **भारत की भाषा समस्या** विषय पर अनुच्छेद लिखिए। **[6]**

4. आप भुवन गुलेरिया/भावना गुलेरिया हैं और अ.ब.स. नगर में रहते/रहती हैं। आपके क्षेत्र के पार्क को लोगों ने सार्वजनिक धरना-प्रदर्शन का केन्द्र बना दिया है जिससे वहाँ के निवासियों को अनेक समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। इस समस्या की ओर संबंधित अधिकारियों का ध्यान आकर्षित करने के लिए **जागरूक** समाचार-पत्र, मुंबई के संपादक को लगभग **100** शब्दों में एक पत्र लिखिए। **[5]**

अथवा

प्रधानाचार्य से दो दिन के अवकाश हेतु देने के लिए प्रार्थना-पत्र लिखिए क्योंकि आपको बुखार आ गया है।

5. **अभिव्यक्ति और माध्यम पाठ्यपुस्तक के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:** **[11]**

   i. **निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं चार के उत्तर दीजिये: (2 X 4 = 8)**

      i. आनुषंगिक टिप्पण किसे कहते है? **[2]**

      ii. स्ववृत्त निर्माण की कला में निपुण होना क्यों आवश्यक है? **[2]**

      iii. हिन्दी संदर्भ ग्रंथ का सबसे विशद रुप कौन-सा है? **[2]**

      iv. दूरदर्शन पृथक् विभाग कब बना? **[2]**

      v. राजकीय प्रतिभा विकास विद्यालय, दिल्ली की सांस्कृतिक समिति की बैठक के लिए कार्यसूची तैयार कीजिए। **[2]**

   ii. i. पटकथा के लिए सर्वप्रथम आवश्यक तत्त्व क्या होता है? **[3]**

अथवा

   i. डायरी किसे कहते हैं? **[3]**

खंड- ग (आरोह भाग - 1 एवं वितान भाग-1 पाठ्यपुस्तकों के आधार पर)

6. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:** **[5]**

घर कि घर में चार भाई,
मायके में बहिन आई,
बहिन आई बाप के घर,
हाय रे परिताप के घर!
घर कि घर में सब जुड़े हैं,

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

चार भाई चार बहिनें,
भुजा भाई प्यार बहिनें,

i. इस कविता के कवि कौन है?

क) भवानी प्रसाद　　ख) जयशंकर प्रसाद

ग) कबीर　　घ) जायसी

ii. परिताप का अर्थ है-

क) संताप　　ख) दुःख

ग) सभी विकल्प सही हैं　　घ) कष्ट

iii. कवि के अभाव में किसको पिता का घर **परिताप का घर** लगा?

क) पिता　　ख) माता

ग) बहन　　घ) भाई

iv. भाई के लिए किसकी उपमा दी है?

क) भुजा　　ख) प्यार और भुजा दोनों

ग) प्यार　　घ) इनमें से कोई नहीं

v. कवि के घर में कितने भाई है?

क) तीन　　ख) पाँच

ग) दो　　घ) चार

7. **निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही दो के उत्तर दीजिये: (3 X 2 = 6 अंक)** **[6]**

i. कबीर ने अपने को दीवाना क्यों कहा है? **[3]**

ii. चंपा काले-काले अच्छर नहीं चीन्हती कविता का प्रतिपाद्य बताइए। **[3]**

iii. आओ, मिलकर बचाएँ कविता में दिल के भोलेपन के साथ-साथ अक्खड़पन और जुझारूपन को भी बचाने की आवश्यकता पर क्यों बल दिया गया है? **[3]**

8. **निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही दो के उत्तर दीजिये: (2 X 2 = 4 अंक)** **[4]**

i. वह चाँद सबसे खतरनाक क्यों होता है, जो हर हत्याकांड के बाद/आपकी आँखों को मिर्चों की तरह नहीं गड़ता है? **[2]**

ii. आनंद-फल की प्राप्ति के लिए मीरा ने क्या किया? **[2]**

iii. लक्ष्य प्राप्ति में इंद्रियाँ बाधक होती हैं- हे भूख! मत मचल के संदर्भ में अपने तर्क दीजिए। **[2]**

9. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:** **[5]**

जब नमक का विभाग बना और ईश्वर -प्रदत्त वस्तु के व्यवहार करने का निषेध हो गया तो लोग चोरी-छिपे इसका व्यापार करने लगे अनेक प्रकार के छल-प्रपंचों का सूत्रपात हुआ, कोई घूस से काम निकालता था, कोई चालाकी से। अधिकारियों के पौ-बारह थे। पटवारी वर्ग का सर्वसम्मानित पद छोड़ कर लोग इस विभाग की बरकंदाजी करते थे।

i. नमक का दारोगा पाठ किसके द्वारा लिखित है-

क) जयशंकर प्रसाद　　ख) मुंशी प्रेमचंद

ग) सत्यजीत राय　　घ) कृष्णा सोबती

ii. किस विभाग में ईश्वर-प्रदत्त वस्तु के व्यवहार करने का निषेध हो गया था?

क) नमक विभाग　　ख) कृषि विभाग

ग) जल विभाग　　घ) कर विभाग

iii. लोग किस वस्तु का व्यापार चोरी-छिपे करते थे?

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

क) कोयले का
ख) कपड़े का
ग) तेल का
घ) नमक का

iv. विभाग में किस भावना की शुरुआत हुई?

क) घूसखोरी
ख) चालाकी
ग) छल-प्रपंच
घ) सभी

v. **पौ-बारह होना** से आप क्या समझते हैं-

क) अत्यधिक लाभ होना
ख) नुकसान होना
ग) अवसर मिलना
घ) पहुँच होना

10. **निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही दो के उत्तर दीजिये: (3 X 2 = 6 अंक)** **[6]**

i. **अपू के साथ ढाई साल** पाठ में बारिश का दृश्य चित्रित करने में क्या मुश्किल आई और उसका समाधान किस प्रकार हुआ? **[3]**

ii. भारत की एकता को भारत माता पाठ में किस आधार पर सिद्ध किया गया है? स्पष्ट कीजिए। **[3]**

iii. रजनी पाठ का प्रतिपाद्य बताइए। **[3]**

11. **निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही दो के उत्तर दीजिये: (2 X 2 = 4 अंक)** **[4]**

i. अखबार वालों के प्रति मियाँ नसीरुददीन का दृष्टिकोण कैसा है? **[2]**

ii. **विदाई-संभाषण** पाठ में कर्जन की तुलना किन तानाशाहों से की गई है? क्यों? **[2]**

iii. गलता लोहा पाठ में वंशीधर को धनराम के शब्द क्यों कचोटते रहे? **[2]**

12. **निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही दो के उत्तर दीजिये: (5 X 2 = 10 अंक)** **[10]**

i. लता मंगेशकर की गायकी की समीक्षा कीजिए। **[5]**

ii. कुंई से पानी कैसे निकाल जाता है? राजस्थान की रजत बूँदें पाठ के आधार पर बताइए। **[5]**

iii. **आलो-आँधारि** पाठ में अपने परिवार से तातुश के घर तक के सफ़र में बेबी के सामने रिश्तों की कौन-सी सच्चाई उजागर होती है? **[5]**

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

Solution

खंड क (अपठित बोध)

1. (i) ग) सामाजिक स्तर पर आधारित
   (ii) क) यह पेशे का दोषपूर्ण पूर्व-निर्धारण करती है
   (iii) ख) केवल कथन (II) और (III) सही हैं।
   (iv) जाति-प्रथा मनुष्य के पेशे का निर्धारण माता-पिता के सामाजिक स्तर के अनुसार करती है।
   (v) आधुनिक युग में जाति-प्रथा अनुपयुक्त हो जाती है क्योंकि उद्योग-धंधे की प्रक्रिया व तकनीक में निरंतर विकास और परिवर्तन होता है, जिससे पेशा बदलने की आवश्यकता पड़ सकती है।
   (vi) जाति-प्रथा से मनुष्य के पेशे को लेकर समस्याएँ उत्पन्न होती हैं जैसे - मनुष्य को जीवनभर के लिए एक पेशे में बाँध देना, पेशा अनुपयुक्त या अपर्याप्त होने के कारण भूखों मर जाना, और पेशा बदलने की स्वतंत्रता न होना।
   (vii) जाति-प्रथा के सिद्धांत के अनुसार मनुष्य का पेशा गर्भधारण के समय से ही निर्धारित हो जाता है।
2. i. क) कथन I और II सही हैं।
   ii. ख) युवाओं का साहस और दृढ़ता प्रगति को वास्तविकता में बदलती है
   iii. क) I - (1), II - (2), III - (3)
   iv. 'नए प्रातः का नया जागरण' का अर्थ है एक नए दिन की शुरुआत, जो नई ऊर्जा, चेतना, और जागरूकता के साथ समाज और राष्ट्र में परिवर्तन लाने की क्षमता रखती है।
   v. कविता में 'उठो राष्ट्र के नवयौवन' से कवि युवाओं को प्रेरित कर रहे हैं कि वे अपनी ऊर्जा और उत्साह का उपयोग करके देश के पुनर्निर्माण और प्रगति में योगदान दें। यह एक आह्वान है कि वे राष्ट्र की दिशा बदलने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएं।
   vi. 'हममें भी जागी तरुणाई' पंक्ति में कवि युवाओं की नई जागरूकता और उभरती हुई ऊर्जा को व्यक्त कर रहे हैं। यह भाव दर्शाता है कि युवा अब सोए हुए नहीं हैं; वे अब जाग चुके हैं और समाज में परिवर्तन लाने के लिए तैयार हैं।

खंड- ख (अभिव्यक्ति और माध्यम पाठ्यपुस्तक के आधार पर)

3. दिए गए तीन विषयों में से किसी एक विषय पर आधारित लगभग 120 शब्दों में रचनात्मक लेखन लिखिए।

(i) **आज का किसान जीवन**

आज का किसान जीवन चुनौतियों और संघर्षों से भरा हुआ है, लेकिन इसके बावजूद यह सादगी और मेहनत का प्रतीक है। भारतीय किसान सुबह जल्दी उठकर अपने दिन की शुरुआत करता है। खेतों में हल चलाना, फसलों की देखभाल करना, और मवेशियों की देखभाल करना उसकी दिनचर्या का हिस्सा है|

किसान का जीवन मौसम पर निर्भर करता है। अच्छी फसल के लिए उसे समय पर बारिश की आवश्यकता होती है, लेकिन कभी-कभी अत्यधिक बारिश या सूखा उसकी मेहनत पर पानी फेर देता है। इसके बावजूद, किसान अपनी मेहनत और धैर्य से हर चुनौती का सामना करता है|

आज के समय में किसानों को कई समस्याओं का सामना करना पड़ता है, जैसे कि कर्ज का बोझ, उचित मूल्य न मिलना, और आधुनिक तकनीकों की कमी। इसके बावजूद, वे अपने परिवार और समाज के लिए अन्न, फल, और सब्जियाँ उगाते हैं। उनकी मेहनत और समर्पण के बिना हमारा जीवन संभव नहीं है|

सरकार और विभिन्न संगठनों द्वारा किसानों की स्थिति सुधारने के लिए कई योजनाएँ और कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं। किसानों को आधुनिक तकनीकों और उपकरणों की जानकारी दी जा रही है, ताकि वे अपनी फसलों की पैदावार बढ़ा सकें और अपने जीवन स्तर को सुधार सकें|

किसान का जीवन कठिनाइयों से भरा हुआ है, लेकिन उनकी मेहनत और समर्पण हमें प्रेरणा देते हैं। हमें उनके योगदान को समझना और उनका सम्मान करना चाहिए, क्योंकि वे हमारे समाज की रीढ़ हैं।

(ii) **ऑनलाइन खरीददारी: समय की आवश्यकता**

आज की तेज़-तर्रार दुनिया में, समय सबसे मूल्यवान संसाधन बन गया है। हर कोई अपने व्यस्त जीवन में से कुछ समय निकालकर अपनी आवश्यकताओं को पूरा करना चाहता है। ऐसे में, ऑनलाइन खरीददारी एक वरदान साबित हो रही है। यह न केवल समय की बचत करती है, बल्कि हमें एक ही स्थान पर विभिन्न उत्पादों और सेवाओं का विकल्प भी प्रदान करती है।

ऑनलाइन खरीददारी का सबसे बड़ा लाभ यह है कि यह हमें 24/7 खरीददारी की सुविधा देती है। चाहे दिन हो या रात, हम किसी भी समय अपनी पसंदीदा वस्तुएं खरीद सकते हैं। इसके लिए हमें बाजार जाने की आवश्यकता नहीं होती, जिससे हमारा समय और ऊर्जा दोनों बचते हैं|

इसके अलावा, ऑनलाइन खरीददारी में हमें विभिन्न उत्पादों की तुलना करने और सबसे अच्छे दाम पर खरीदने का अवसर मिलता है। हम विभिन्न वेबसाइटों पर जाकर उत्पादों की कीमत, गुणवत्ता और समीक्षा देख सकते हैं, जिससे हमें सही निर्णय लेने में मदद मिलती है|

ऑनलाइन खरीददारी का एक और महत्वपूर्ण पहलू यह है कि यह हमें भीड़-भाड़ से बचाती है। त्योहारों के समय बाजारों में उमड़ती भीड़ से बचने के लिए लोग ऑनलाइन खरीददारी को प्राथमिकता देते हैं। इससे न केवल समय की बचत होती है, बल्कि हमें भीड़-भाड़ और ट्रैफिक जाम से भी निजात मिलती है|

हालांकि, ऑनलाइन खरीददारी के कुछ नकारात्मक पहलू भी हैं। कभी-कभी उत्पाद की गुणवत्ता उम्मीद के मुताबिक नहीं होती, और रिटर्न या एक्सचेंज की प्रक्रिया भी समय ले सकती है। इसके अलावा, साइबर सुरक्षा के खतरे भी ऑनलाइन खरीददारी के साथ जुड़े होते हैं|

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

फिर भी, इन चुनौतियों के बावजूद, ऑनलाइन खरीददारी आज के समय की एक महत्वपूर्ण आवश्यकता बन गई है। यह न केवल हमारे जीवन को सरल और सुविधाजनक बनाती है, बल्कि हमें समय और धन की भी बचत करती है।

(iii) **भारत की भाषा समस्या**

भारत की भाषा समस्या एक जटिल और संवेदनशील मुद्दा है, जो देश की सांस्कृतिक और भाषाई विविधता को दर्शाता है। भारत में सैकड़ों भाषाएँ और बोलियाँ बोली जाती हैं, जिनमें से 22 भाषाओं को संविधान द्वारा मान्यता प्राप्त है।

स्वतंत्रता के बाद, हिंदी को राजभाषा का दर्जा दिया गया, लेकिन इसे राष्ट्रभाषा के रूप में स्वीकार करने में कई चुनौतियाँ आईं। अहिंदी भाषी राज्यों, विशेषकर दक्षिण भारत के राज्यों ने इसका विरोध किया, क्योंकि वे इसे अपनी मातृभाषा के साथ अन्याय मानते थे। इस विरोध को देखते हुए, अंग्रेजी को भी सह-राजभाषा का दर्जा दिया गया।

भाषा समस्या का एक प्रमुख कारण अंग्रेजी का प्रभुत्व है, जो औपनिवेशिक काल से चला आ रहा है। अंग्रेजी को शिक्षा और प्रशासन में प्रमुखता मिलने से क्षेत्रीय भाषाओं का महत्व कम हो गया है। इसके अलावा, भाषाई आधार पर राज्यों का पुनर्गठन भी इस समस्या को और जटिल बनाता है।

भाषा समस्या का समाधान केवल एक भाषा को थोपने से नहीं हो सकता। इसके लिए सभी भाषाओं का सम्मान और उनके विकास के लिए प्रयास करना आवश्यक है। हिंदी को संपर्क भाषा के रूप में स्वीकार करना एक सकारात्मक कदम हो सकता है, लेकिन इसके साथ ही अन्य भाषाओं को भी समान महत्व देना चाहिए।

इस प्रकार, भारत की भाषा समस्या का समाधान एक संतुलित और समावेशी दृष्टिकोण से ही संभव है, जिसमें सभी भाषाओं और संस्कृतियों का सम्मान हो।

4. अ.ब.स. निवासी
सेवा में,
संपादक महोदय
जागरूक समाचार-पत्र
विषय - पार्क में हो रहे सार्वजनिक धरना-प्रदर्शन की समस्या से निवारण पाने हेतु।
महोदय,
सविनय निवेदन है कि मैं अ.ब.स. नगर की निवासी भावना गुलेरिया हूँ। मैं आपका ध्यान आकर्षित करना चाहती हूँ कि हमारे क्षेत्र के पार्क में कुछ लोगों ने अपने अधिकारों का अनुचित प्रयोग कर उसे सार्वजनिक धरना-प्रदर्शन केंद्र बना दिया है, जिससे मोहल्ले वासियों को गुंडागर्दी, मार-पीट एवं शोरशराबे जैसी कई परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।
अतः मैं आपसे निवेदन करती हूँ कि आप इस समस्या को उजागर करते हुए संबंधित अधिकारियों तक इस समस्या को पहुँचाएँ और स्थानीय लोगों को सुविधा मुहैया करने में मदद करें। हम सभी एक होकर इस समस्या का समाधान कर सकते हैं और अपने पार्क को एक सुरक्षित और स्वच्छ स्थान बना सकते हैं। आपके सहयोग की प्रतीक्षा है।
धन्यवाद
प्रार्थी
भावना गुलेरिया
दिनांक: 6/10/2023

अथवा

सेवा में,
प्रधानाचार्य जी,
राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय,
साध नगर, पालम
विषय-दो दिन के अवकाश हेतु प्रार्थना पत्र
महोदय,
मैं कक्षा १० का नियमित छात्र हूँ| जैसा कि आप जानते हैं कि आजकल मौसम तेजी से परिवर्तित हो रहा है और आस- पास काफी लोग बीमार पड़ रहे हैं, उसी बदलते मौसम के कारण मुझे भी सर्दी का भयंकर प्रकोप होने से तेज बुखार आ गया है। इसी वजह से मैं कक्षा में उपस्थिति दर्ज कराने में असमर्थ हूँ। डॉक्टर ने दो दिन की नियमित दवाई के साथ आराम करने की सलाह भी दी है | अतः मैं दिनांक 17.01.19 एवं 18.01.19 का अवकाश चाहता हूँ । कृपया उक्त दो दिनों का अवकाश स्वीकृत करने का कष्ट करे ताकि मैं शीघ्र स्वस्थ हो कर विद्यालय में उपस्थित हो सकूँ।
धन्यवाद
गोविन्द सिंह
कक्षा 10 (अ)
रोल न० 15

5. अभिव्यक्ति और माध्यम पाठ्यपुस्तक के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:

(i) निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं चार के उत्तर दीजिये: (2 X 4 = 8)

i. सहायक द्वारा लिखी टिप्पण जब अधिकारी के पास पहुँचती है तो वह अधिकारी उसे पढ़कर अपना मन्तव्य लिखता है वह आनुषंगिक टिप्पण कहलाती है।

ii. क्योंकि इससे व्यक्ति का मूल्यांकन होता है। जो व्यक्ति अपना मूल्यांकन ठीक प्रकार से करवाना चाहता है, अपनी अहमियत को प्रकट करना चाहता है उसको स्ववृत्त निर्माण में कुशल होना अति आवश्यक है।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

iii. एक संदर्भ-ग्रंथ पाठक को प्रयोग किए गए स्रोतों के विषय में बताता है। संदर्भ-ग्रंथ कई प्रकार के होते हैं। संदर्भ ग्रंथ का सबसे विशद रूप 'विश्व ज्ञान कोश' है इसमें मानव द्वारा संचित हर प्रकार की जानकारी और सूचना का संक्षिप्त संकलन होता है।
संदर्भ-ग्रंथों के अन्य महत्वपूर्ण प्रकार है-'साहित्य कोश' और 'चरित्र कोश साहित्यकोश में साहित्यिक विषयों से सम्बन्धित जानकारियों संकलित होती है 'चरित्र-कोश' में साहित्य संस्कृति, विज्ञान आदि क्षेत्रों के महान व्यक्तियों के व्यक्तित्व के बारें में जानकारी संकलित होती है।

iv. दूरदर्शन पृथक् विभाग 01 अप्रैल 1976 से बना।

v.

राजकीय प्रतिभा विकास विद्यालय, दिल्ली की सांस्कृतिक समिति की बैठक

कार्यसूची

बैठक की तिथि - 28 अगस्त, 20XX
बैठक का समय - प्रातः 10 बजे
बैठक का स्थान - विद्यालय का सांस्कृतिक कक्ष
कार्यसूची

1. समिति के सदस्यों का स्वागत।
2. कार्यक्रम की तिथि व समय पर विचार।
3. कार्यक्रम में प्रस्तुत किए जाने वाले कार्यक्रम पर विचार।
4. कार्यक्रम में उपस्थित होने वाले अतिथियों के जलपान आदि पर विचार।
5. कार्यक्रम में धनराशि के व्यय पर विचार।
6. अध्यक्ष के द्वारा अन्य आवश्यक मुद्दों पर विचार।

हस्ताक्षर
(_____)
सचिव
राजकीय प्रतिभा विकास, विद्यालय दिल्ली

(ii) i. शीर्षक, घटना, कथा और संवाद। कहानी को दृश्यात्मक रूप में परिवर्तित करने के लिए उसमें संवाद डालने पड़ते हैं। उसमें घटनाओं को एक व्यवस्थित क्रम देना पड़ता है। अन्य तीनों तत्त्व शीर्षक, घटना, संवाद भी पटकथा के लिए आवश्यक हैं लेकिन पटकथा के लिए सबसे आवश्यक तत्त्व कथा ही होती है। बिना कथा के कोई पटकथा नहीं बनाई जा सकती है।

अथवा

i. डायरी एक ऐसी नोट बुक होती है, जिसके पृष्ठों पर वर्ष के तीन सौ पैंसठ/छियासठ दिनों की तिथियाँ क्रम से लिखी होती हैं। प्रत्येक तिथि के बाद पृष्ठ को खाली छोड़ दिया जाता है। डायरी को दैनिकी, दैनंदिनी, रोज़नामचा, रोजनिशि, वासरी, वासरिया भी कहते हैं। यह मोटे गत्ते की सुंदर जिल्द से सजी हुई होती है। कुछ डायरियाँ प्लास्टिक के रंग-बिरंगे कवरों से सजाई जाती हैं। डायरी विभिन्न आकारों में मिलती है। इनमें टेबल डायरी, पुस्तकाकार डायरी, पॉकेट डायरी प्रमुख हैं।
नए वर्ष के आगमन के साथ ही विभिन्न आकार-प्रकार की डायरियाँ भी बाज़ार में मिलने लगती हैं। डायरी लिखने वाले हर व्यक्ति की यही इच्छा होती है कि नए वर्ष के पहले दिन उसके पास नई डायरी हो।

खंड- ग (आरोह भाग - 1 एवं वितान भाग-1 पाठ्यपुस्तकों के आधार पर)

6. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:**

घर कि घर में चार भाई,
मायके में बहिन आई,
बहिन आई बाप के घर,
हाय रे परिताप के घर!
घर कि घर में सब जुड़े हैं,
चार भाई चार बहिनें,
भुजा भाई प्यार बहिनें,

(i) **(क)** भवानी प्रसाद
व्याख्या:
भवानी प्रसाद

(ii) **(ग)** सभी विकल्प सही हैं
व्याख्या:
'परिताप का घर' अर्थात् कष्ट का घर।

(iii) **(ग)** बहन
व्याख्या:
बहन

(iv) **(क)** भुजा
व्याख्या:

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

भुजा

(v) **(घ)** चार
व्याख्या:
चार

7. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही दो के उत्तर दीजिये: (3 X 2 = 6 अंक)
   (i) यहाँ 'दीवाना' का अर्थ है-पागल। कबीरदास ने परमात्मा का सच्चा रूप पा लिया है। वे उसकी भक्ति में लीन हैं, जबकि संसार बाह्य आडंबरों में उलझकर ईश्वर को खोज रहा है। अत: कबीर की भक्ति आम विचारधारा से अलग है इसलिए वह स्वयं को दीवाना कहता है।
   (ii) 'चपा काले-काले अच्छर नहीं चीन्हती' कविता धरती संग्रह में संकलित है। यह पलायन के लोक अनुभवों को मार्मिकता से अभिव्यक्त करती है। इसमें 'अक्षरों' के लिए 'काले काले' विशेषण का प्रयोग किया गया है जो एक ओर शिक्षा-व्यवस्था के अंतर्विरोधों को उजागर करता है तो दूसरी ओर उस दारुण यथार्थ से भी हमारा परिचय कराता है जहाँ आर्थिक मजबूरियों के चलते घर टूटते हैं। महानगरों की तरफ पलायनवादी प्रवृत्ति को बताया गया है। काव्य नायिका चंपा अनजाने ही उस शोषक व्यवस्था के प्रतिपक्ष में खड़ी हो जाती है जहाँ भविष्य को लेकर उसके मन में अनजान खतरा है। वह कहती है 'कलकत्ते पर बजर गिरे।' कलकत्ते पर वज्र गिरने की कामना, जीवन के खुरदरे यथार्थ के प्रति चंपा के संघर्ष और जीवन को प्रकट करती है।
   (iii) दिल का भोलापन सचाई और ईमानदारी के लिए जरूरी है, परंतु हर समय भोलापन ठीक नहीं होता। भोलेपन का फायदा उठाने वालों के साथ अक्खड़पन दिखाना भी जरूरी है। अपनी बात को मनवाने के लिए अकड़ भी होनी चाहिए। साथ ही कर्म करने की प्रवृत्ति भी आवश्यक है। अतः कवयित्री भोलेपन, अक्खड़पन व जुझारूपन-तीनों गुणों को बचाने की आवश्यकता पर बल देती है।
8. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही दो के उत्तर दीजिये: (2 X 2 = 4 अंक)
   (i) हत्याकांड के लिए जिम्मेदार व्यक्ति हमारी आँखों में चुभना चाहिए। हमें उससे बदला लेने का संकल्प करना चाहिए पर जब हम हत्याकांड के प्रति निष्क्रिय और तटस्थ हो जाते हैं तब हमें वह हत्यारा बुरा प्रतीत नहीं होता वह व्यक्ति सबसे खतरनाक होता है।
   (ii) आनंद-फल की प्राप्ति के लिए उन्होंने कुल की मर्यादा त्यागी, परिवार के ताने सहे, मन्दिरों में भजन-कीर्तन किए, साथ ही संतों की संगति की। उन्होंने आँसुओं से प्रेम-बेल को सींचा, तब जाकर उन्हें आंनद-फल प्राप्त हुआ।
   (iii) लक्ष्य प्राप्ति में इंद्रियाँ बाधक होती हैं। मनुष्य अपनी इंद्रियों को तृप्त करने के चक्कर में जीवन भर भटकता रहता है। इंद्रियाँ मनुष्य को भ्रमित कर उसे कर्महीनता की तरफ प्रेरित करती हैं। किसी लक्ष्य को तभी प्राप्त किया जा सकता है, जब मन में एकाग्रता हो तथा इंद्रियों को वश में रखकर परिश्रम किया जाए। प्रत्येक लक्ष्य में इंद्रियाँ बाधक बनती हैं, परंतु बुद्धि द्वारा उनको वश में किया जा सकता है।
9. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:**
   जब नमक का विभाग बना और ईश्वर -प्रदत्त वस्तु के व्यवहार करने का निषेध हो गया तो लोग चोरी-छिपे इसका व्यापार करने लगे अनेक प्रकार के छल-प्रपंचों का सूत्रपात हुआ, कोई घूस से काम निकालता था, कोई चालाकी से। अधिकारियों के पौ-बारह थे। पटवारी वर्ग का सर्वसम्मानित पद छोड़ कर लोग इस विभाग की बरकंदाजी करते थे।

   (i) **(ख)** मुंशी प्रेमचंद
   व्याख्या: मुंशी प्रेमचंद

   (ii) **(क)** नमक विभाग
   व्याख्या: नमक विभाग

   (iii) **(घ)** नमक का
   व्याख्या: नमक का

   (iv) **(घ)** सभी
   व्याख्या: सभी

   (v) **(क)** अत्यधिक लाभ होना
   व्याख्या:
   अत्यधिक लाभ होना

10. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही दो के उत्तर दीजिये: (3 X 2 = 6 अंक)
   (i) पैसों की कमी के कारण ही बारिश का दृश्य चित्रित करने में बहुत मुश्किल आई थी। बरसात के दिन आए और गए, लेकिन पास पैसे नहीं थे, इस कारण शूटिंग बंद थी। अतः वर्षा ऋतु निकल गई। लेखक काफी समय तक उस दृश्य को फिल्माने के लिए गाँव में जाकर बरसात का इंतज़ार करता रहा। आखिरकार किस्मत से उसे शरद ऋतु में बरसात का दृश्य फ़िल्माने का अवसर मिला। शरद ऋतु में बरसात हो गई। अतः लेखक ने अपू तथा दुर्गा से ठंड में बरसात का दृश्य करवाया। दृश्य बहुत अच्छा हुआ।
   (ii) आजादी पाने के लिए लोगों को उनके सीमित क्षेत्र से बाहर लाना बहुत जरूरी था। सामान्य ग्रामीण तो अपने गाँव, खेत और सूबे से आगे ज्यादा कुछ जानते ही नहीं थे। अतः पूरब-पश्चिम, उत्तर-दक्षिण सभी दिशाओं में जानेवाले नेताओं द्वारा यह समझाया गया कि हमारे देश का विस्तार कहाँ तक है और इस विशाल भारत में रहने वाले सभी किसानों की समस्याएँ एक जैसी ही हैं। अतः एक ही उद्देश्य के लिए हमें एकजुट होकर संघर्ष करना होगा। इस प्रकार, देश की अखंडता को समझाया गया है। किसानों की सीमित सोच को व्यापकता प्रदान की गई है। इस एक देश के लिए हम सभी को मिलकर स्वराज के लिए संघर्ष करना है, क्योंकि यही सबके हित में है।
   (iii) रजनी पाठ का मुख्य प्रतिपाद्य शिक्षा के व्यवसायीकरण, ट्यूशन के रैकेट, अधिकारियों की उदासीनता तथा आम जनता द्वारा अन्याय का विरोध करने की प्रेरणा देना है। यह पाठ सिखाता है कि यदि अन्याय को नहीं रोका गया तो वह बढ़ता जाएगा। अन्याय का विरोध समाज को साथ लेकर हो सकता है, क्योंकि आम आदमी की सहभागिता के बिना सामाजिक, प्रशासनिक व राजनैतिक व्यवस्था में सकारात्मक परिवर्तन संभव नहीं है।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

11. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही दो के उत्तर दीजिये: (2 X 2 = 4 अंक)

(i) मियाँ नसीरूद्दीन का मानना है कि अखबार छापने वाले व पढ़ने वाले-दोनों बेकार होते हैं। ये वक्त खराब करते हैं। वे खबरों को बढ़ा चढ़ाकर और मसाला लगाकर छापते हैं। मियाँ अखबार पढ़ने को ज्यादा महत्व न देकर काम को देते हैं। वे अखबारों की खोजी प्रवृत्ति से भी चिढ़ते हैं।

(ii) कर्जन को क्रूरतम तानाशाह बताते हुए लेखक ने उसे कैसर, जार और नादिरशाह से भी अधिक क्रूर कहा है। उनका कहना है कि रोम के तानाशाह कैसर और ज़ार भी जनता के घेरने और घोटने से जनता की बात सुन लेते हैं, पर तुमने एक बार भी ऐसा नहीं किया। ईरान के क्रूर शासक नादिरशाह ने जब दिल्ली में कत्लेआम किया तो आसिफ़जाह की प्रार्थना पर उसे रोक दिया था। इन सबसे ऊपर निरंकुश लॉर्ड कर्ज़न पर आठ करोड़ लोगों की गिड़गड़ाहट का कोई असर नहीं पडा। उन्होंने तो सबकी प्रार्थना को ठुकराकर बंगाल पर आरी चलाई थी। अतः लेखक उसे संसार का क्रूरतम तानाशाह कहता है।

(iii) वंशीधर को अपने पुत्र से बड़ी आशाएँ थी। वे उसके अफसर बनकर आने के सपने देखते थे। एक दिन धनराम ने उनसे मोहन के बारे में पूछा तो उन्होंने घास का एक तिनका तोड़कर दाँत खोदते हुए बताया कि उसकी सक्रेटेरियट में नियुक्ति हो गई है। शीघ्र ही वह बड़े पद पर पहुँच जाएगा। धनराम ने उन्हें कहा कि मोहन लला बचपन से ही बड़े बुद्धिमान थे। ये शब्द वंशीधर को कचोटते रहे, क्योंकि उन्हें मोहन की वास्तविक स्थिति का पता चल चुका था। लोगों से प्रशंसा सुनकर उन्हें दुःख होता था।

12. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही दो के उत्तर दीजिये: (5 X 2 = 10 अंक)

(i) लता मंगेशकर की गायकी के दोनों पक्षों का वर्णन किया गया है। उन्होंने, लता की निर्विवाद सुरीली आवाज़ का जिक्र किया है कि लता जी अपनी अतुलनीय आवाज़ के कारण उस ज़माने की प्रसिद्ध गायिकाओं से ऊपर फ़िल्म जगत पर छा गईं। उसके बाद, गाने के तरीके में 'गानपन' की तारीफ़ करते हुए लेखक ने इसे जन सामान्य के मन की गहराइयों तक उतरकर लोकप्रियता का कारण बताया है।
तीसरी बात है, उनके द्वारा शब्दों का नादमय उच्चारण, जिसकी पूँज लंबे समय तक श्रोताओं के मन पर बनी रहती है।
चौथा गुण बताते हुए कुमार गंधर्व लिखते हैं कि लता के व्यक्तित्व की निर्मलता उनके स्वर में भी है और वही गायकी के माध्यम से श्रोताओं के कानों और मन पर निर्मलता का असर छोड़ती है।
यही कारण है कि लता के आने के बाद हमारे देश के लोगों का (सामान्य लोगों का) संगीत के प्रति रुझान और दृष्टिकोण बदल गया है। उन्हीं के कारण लोगों में अच्छे गीतों की समझ जागृत हुई है। कुमार गंधर्व ने कहा है कि लता ने करुण रस के साथ न्याय नहीं किया और दूसरा यह कि वे सदा उच्च स्वर में ही गाती हैं जो चिलवाने जैसा लगता है। परन्तु इसमें लेखक लता जी का दोष न मानते हुए निर्देशकों को दोषी मानते हैं।

(ii) कुंई से पानी चड़स के द्वारा निकाला जाता है। यह मोटे कपड़े या चमड़े की बनी होती है। इसके मुँह पर लोहे का वजनी कड़ा बँधा होता है। आजकल ट्रकों की फटी ट्यूब से भी छोटी चड़स बनने लगी है। चड़स पानी से टकराता है तथा ऊपर का वजनी भाग पर गिरता है। इस तरह कम मात्रा के पानी में भी वह ठीक तरह डूब जाती है। भर जाने के बाद ऊपर उठते ही चड़स अपना पूरा आकार ले लेता है। पानी निकालने के बाद कुंई को ढक दिया जाता है।

(iii) बेबी के अपने परिवार में माता-पिता, भाई-भाभी, बहन आदि सभी थे, पर नाम के ही थे। बिना सोचे-समझे, एक तेरह वर्ष की लड़की को अधेड़ पुरुष के साथ बाँध दिया गया। कई सालों तक उसने पति के अत्याचारों को सहते हुए अपना जीवनयापन किया। मुसीबत के समय भी भाइयों ने उसे सहारा नहीं दिया। यहाँ तक कि माँ की मृत्यु की सूचना भी नहीं दी गई। यह खून का रिश्ता रखने वाले लोगों का हाल था। इधर तातुश जैसे सहृदय मनुष्य बेबी के दुख-दर्द को समझकर उसे अपने घर में आश्रय देते हैं। उसके बच्चों की देखरेख, उनके लिए दूध, दवा, स्कूल आदि की व्यवस्था तक करते हैं। बेबी के स्वास्थ्य का ध्यान रखते हैं। उसके बड़े बेटे को खोजकर लाते हैं। वास्तव में, उन्होंने जैसा व्यवहार किया ऐसे बहुत कम उदाहरण हैं। ये बताते हैं करुणा, दया और स्नेह के संबंध खून के रिश्तों से कहीं बढ़कर होते हैं।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in